हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

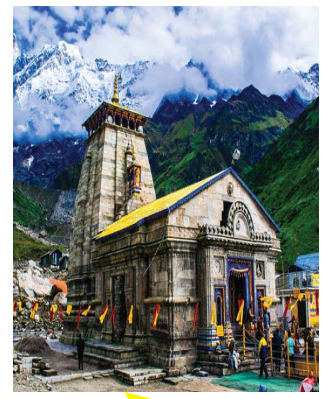

वर्ष:5 अंक:54 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 28 फरवरी 2026

मुख्यमंत्री धामी ने चम्पावत को दी 74.54 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

पथ प्रवाह, चंपावत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व प्रसिद्ध माँ पूर्णागिरि मेला-2026 का भव्य शुभारंभ के अवसर पर जनपद चम्पावत के विकास को नई ऊंचाई देने के लिए कुल 7454.74 लाख (74.54 करोड़ रुपये) की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर जनता को समर्पित किया।

64.95 करोड़ की लागत से 5 योजनाओं का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, जनजातीय कल्याण और पर्यटन को मजबूती देने वाली पाँच प्रमुख योजनाओं का लोकार्पण किया जिसमें चलथी नदी पर दो लेन सेतु टनकपुर-जौलजीबी मोटर मार्ग पर चलथी नदी के ऊपर ?5014.00 लाख की लागत से निर्मित 690 मीटर लंबे प्री-स्ट्रेस्ड मोटर सेतु का लोकार्पण, ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत बुक्सा एवं राजी जनजाति के उत्थान हेतु ग्राम खिरद्वारी में ?60 लाख की लागत से निर्मित बहुउद्देशीय भवन, ?659 लाख की लागत से राजकीय पशु प्रजनन फार्म, नरियाल गाँव (चम्पावत) के विकास कार्यों के प्रथम चरण तथा गुरु गोरखधाम में 271.39 लाख से विकसित पर्यटक अवस्थापना सुविधाएं तथा श्यामलाताल क्षेत्र को ईको-टूरिज्म हब बनाने हेतु 490.94 लाख के लेक फ्रंट डेवलपमेंट कार्यों का लोकार्पण सामिल है।

9.59 करोड़ की 4 योजनाओं का हुआ शिलान्यास

मुख्यमंत्री द्वारा 959.49 लाख की 04 नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी गई जिसमें चम्पावत विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विधायक निधि से स्वीकृत 498.50 लाख के विभिन्न जनोपयोगी निर्माण कार्य के साथ ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा तहसील बाराकोट के अनावासीय भवन का निर्माण कार्य (लागत 302.50 लाख), मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत ब्रिडकुल (न्दपज पिथौरागढ़) द्वारा एड़ी मेला स्थल, कालूखान का सौंदर्यकरण कार्य (लागत 81.50 लाख), नगर पंचायत बनबसा में मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में 76.90 लाख की लागत से बनने वाले पार्क का शिलान्यास सामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ चम्पावत को एक आदर्श जनपद बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। आज लोकार्पित और शिलान्यास की गई ये योजनाएं स्थानीय स्तर पर रोजगार, पर्यटन और आवागमन की सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगी। माँ पूर्णागिरि का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे और हम उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ें।

एक नजर

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ युद्ध का ऐलान किया, हवाई हमले किए

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ बढ़ते टकराव के बीच पाकिस्तान ने उसके खिलाफ युद्ध घोषित करते हुए 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल-हक़' शुरू किया।'

सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज़ ने बताया कि शुक्रवार तड़के पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं ने काबुल, कंधार और पक्तिया में महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए।'

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान सरकार के साथ 'पूर्ण टकराव' की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'हमारा सब्र अब खत्म हो चुका है' और चेतावनी दी कि अब दोनों पक्षों के बीच 'खुला युद्ध' है।'

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि हमारे सशस्त्र बल अफगानिस्तान के किसी भी तरह के आक्रामक मंसूबे को 'कुचलने' की पूरी क्षमता रखते हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने आज अफगानिस्तान पर 'जवाबी हमलों' के बाद कहा कि पाकिस्तान शांति और अपनी क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने इन हमलों में 130 से अधिक तालिबान लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया है।

पाकिस्तान के अनुसार, 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल-हक़' के तहत हमले आज तड़के किए गए। यह कार्रवाई खैबर पख्तूनख्वा के चितराल, खैबर, मोहम्मद, कुर्रम और बाजौर सेक्टरों में गुरुवार शाम अफगान तालिबान की ओर से की गई 'बिना किसी उकसावे की गोलीबारी' के जवाब में की गई। मीडिया रिपोर्टों में काबुल और कंधार में धमाकों और गोलीबारी की खबर दी गई। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डूरंड रेखा के साथ कल की गई जवाबी कार्रवाई में 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। करीब 2,500 किलोमीटर लंबी सीमा 'जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है' को अफगानिस्तान ने कभी मान्यता नहीं दी है।

मुलाकात: उत्तराखंड के समग्र विकास के प्रति केंद्र सरकार की अटूट प्रतिबद्धता: त्रिवेंद्र

पथ प्रवाह, देहरादून/ नई दिल्ली।

रेल भवन, नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हरिद्वार सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी तथा गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय भी मौजूद रहे। शिष्टाचार भेंट के दौरान सांसद ने राज्य में संचालित रेल परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में रायवाला में प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के शीघ्र निर्माण, लक्सर स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा विभिन्न बहुप्रतीक्षित रेलवे अंडरपासों के निर्माण जैसे जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक संवाद हुआ। सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्रीय यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, स्थानीय व्यापार को गति मिलेगी और आमजन को बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। विशेष रूप से रेलवे परिसरों में संचालित छोटे दुकानदारों के हितों की रक्षा के विषय को प्रमुखता से उठाया गया। विभाग द्वारा हाल ही में बढ़ाए गए किराए को, जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, रेल मंत्री ने तत्काल प्रभाव से होल्ड पर रखने के निर्देश दिए। इस निर्णय से हजारों परिवारों को सीधी राहत मिलेगी।

सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने उत्तराखंड के समग्र विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह संवाद राज्य की आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस सकारात्मक एवं जनहितकारी निर्णय के लिए रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया।

शराब घोटाला मामला: अदालत ने केजरीवाल, सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को किया बरी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ साथ अन्य 21 आरोपियों को बरी करते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच कराने का आदेश दिया। राउज एवेन्यू अदालत के विशेष न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह ने इस मामले में जिन सभी 23 आरोपियों को बरी किया है उनमें तेलंगाना से पूर्व सांसद के. कविता, विजय नायर, समीर महेंद्रू शामिल हैं। यह मामला 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा था। इस नीति को तत्कालीन केजरीवाल सरकार ने

अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया था। फैसला आने के बाद सीबीआई ने कहा कि उसकी जांच के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को अदालत ने या तो नजरअंदाज किया या पर्याप्त महत्व नहीं दिया। एजेंसी ने कहा है कि वह इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेगी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष सीबीआई प्रथम दृष्टया मामला साबित नहीं कर सका है। अदालत ने कहा कि सीबीआई का आरोप पत्र बहुत विस्तृत था लेकिन उसमें गंभीर खामियां भी थीं। आरोपपत्र में लगाये गये आरोप, गवाहों के बयानों या रिकॉर्ड पर मौजूद पर्याप्त सबूतों से साबित नहीं हो सके हैं। अदालत ने यह भी कहा कि श्री सिसोदिया के खिलाफ कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता है और श्री केजरीवाल को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया। अदालत ने जांच में कमियों को लेकर जांच एजेंसी को फटकार भी लगायी। इस आदेश के बाद श्री केजरीवाल ने न्यायपालिका में विश्वास व्यक्त किया और इस मामले को अपनी पार्टी को कमजोर करने के उद्देश्य से रची गई एक राजनीतिक साजिश करार दिया।

एक नजर

वैश्य बंधु महासभा ने किया होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन

शीघ्र ही महासभा का विस्तार और अग्रोहा धाम यात्रा का आयोजन किया जाएगा-डा.विशाल गर्ग

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वैश्य बंधु महासभा के मुख्य संयोजक डा.विशाल गर्ग के नेतृत्व में विवेक विहार स्थित कार्यालय पर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने एक दूसरे को तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। नरेश मेहता की अध्यक्षता में आयोजित होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए वैश्य बंधु महासभा के के मुख्य संयोजक डा.विशाल गर्ग ने कहा कि होली मिलन कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सामाजिक एकता को मजबूत करना है। होली पर्व सामाजिक एकता, स्नेह और संवाद को स्थापित करने वाला त्यौहार है। होली के रंग दुखों को दूर कर जीवन में उमंग लाते हैं। उन्होंने सभी से सनातन संस्कृति के अनुरूप होली मनाते हुए सामाजिक एकता को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि शीघ्र ही महासभा का विस्तार किया जाएगा और वैश्य समाज के उत्थान के लिए कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। युवा पीढ़ी को वैश्य समाज की संस्कृति और परंपरांओं से जोड़ने के लिए अग्रोहा धाम यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा के माध्यम से युवा वर्ग को महाराज अग्रसेन के जीवन आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। महासभा के संयोजक प्रदीप मेहता एवं हर्षवर्धन जैन ने कहा कि भारतीय संस्कृति पर्वो की संस्कृति है। जिसमें होली का महत्वपूर्ण स्थान है। युवा पीढ़ी को पर्वों की महत्ता से अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्य बंधु महासभा वैश्य समाज के समस्याओं के हल और समाज में परस्पर एकता को मजबूत करने के लिए काम करेगी। इस अवसर पर तेजप्रकाश साहू, रामबाबू बंसल, कमल ब्रजवासी, शिवम बंधु गुप्ता, शेखर गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता, प्रतीक अग्रवाल, आदित्य बंसल, विनोद बृजवासी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एसपी सिटी ने होली पर्व और रमजान माह में संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बढ़ाने के दिये निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह के निर्देश पर एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने नगर कार्यालय में आगामी होली पर्व और वर्तमान में चल रहे पवित्र रमजान माह के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और चौकी इंचार्ज के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। एसपी सिटी ने कहा कि सभी थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाते हुए नियमित गश्त व फ्लैग मार्च किया जाए। सोशल मीडिया पर भ्रामक/अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखकर तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जाए। डीजे, हुड़दंग, जबरन रंग लगाने व धार्मिक भावनाएं आहत करने जैसी गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण रखा जाए। मस्जिदों, मंदिरों एवं प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए ताकि असामाजिक तत्वों से समय रहते निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि शांति समिति की बैठकों के माध्यम से दोनों समुदायों के गणमान्य व्यक्तियों से संवाद बनाए रखें। उन्होंने बताया कि एसएसपी हरिद्वार द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जनपद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें तथा भाईचारा एवं आपसी सद्भाव बनाए रखें।

साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को वापस दिलाए 50 हजार रुपये

पथ प्रवाह, हरिद्वार। साइबर ठगी के शिकार हुए एक पीड़ित को पुलिस ने उसके 50 हजार रुपये वापस दिलाकर चेहरे पर मुस्कान लौटायी है। पुलिस के मुताबिक सौरभ भारद्वाज निवासी महेश्वरी धर्मशाला, विष्णु घाट, ने बीती 10 जनवरी को साइबर ठगी के संबंध में साइबर क्राइम सेल हरिद्वार में ऑफलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में सौरभ भारद्वाज ने अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा उनसे 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी किये जाने की बात कही गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही हरिद्वार पुलिस की शाखा साइबर क्राइम सेल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक के समन्वय से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। लगातार पत्राचार एवं तकनीकी प्रयासों के फलस्वरूप पीड़ित की पूर्ण धनराशि 50 हजार रुपये सफलतापूर्वक वापस कराई गई। पीड़ित द्वारा हरिद्वार पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। हरिद्वार पुलिस अपील करती है कि किसी भी अनजान लिंक, कॉल या संदेश पर अपनी बैंकिंग जानकारी साझा न करें। साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें।

कुटिया में रह रहे साधु पर जानलेवा हमला, गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र में एक साधु पर जानलेवा हमला करने की घटना सामने आयी है। आरोपी ने साधु की? कुटिया में घुसकर यह जानलेवा हमला किया। आरोप है कि उधारी चुकाने को लेकर युवक ने साधु पर पत्थर से जानलेवा हमला किया। हमला करने के बाद आरोपी फरार हो गया। घायल साधु का हायर सेंटर में इलाज चल रहा है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घायल साधु की हालत गंभीर बताई जा रही है।

थाना श्यामपुर पुलिस के मुताबिक मुकेश पुरी, शिष्य दीपेन्द्र पुरी, निवासी नीलधारा पार्किंग, चण्डीघाट हरिद्वार द्वारा श्यामपुर थाने में सूचना दी कि नीलधारा पार्किंग स्थित निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास उनके पड़ोसी साधु राधेश्याम पुरी की कुटिया में दीपक नाम के व्यक्ति ने घुसकर साधु पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी युवक ने पत्थरों से साधु का मुंह व सिर फोड़ दिया और मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही श्यामपुर थाना पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंची गंभीर रूप से घायल साधु को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया गया, जहां गंभीर हालत देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

मामला संज्ञा?न में आने पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ हत्या के प्रयास संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया। एसएसआई मनोज रावत के नेतृत्व में टीम गठित ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई जगहों पर दबिश दी। आरोपी की पहचान दीपक कुमार पुत्र सुरेश चन्द, निवासी ग्राम नगला कल्लू, थाना सादाबाद जिला हाथरस यूपी, हाल निवासी, बाबा की वाणी ट्रस्ट, गाजीवाली, श्यामपुर में रूप में हुई।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को ग्राम गाजीवाली के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद किया गया। श्यामपुर थाना प्रभारी मनोहर भंडारी ने बताया कि रुपयों के आपसी लेनदेन में आरोपी, पीड़ित साधु पर पत्थर से जानलेवा हमला कर फरार हो गया था। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

हाईस्कूल की परीक्षा में मुन्ना भाई बहन प्रकरण में स्कूल हैंडमास्टर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह के नेतृत्व में जनपद पुलिस ने हाईस्कूल की परीक्षा में मुन्ना भाई बहन प्रकरण का पर्दाफाश करते हुए मुख्य साजिशकर्ता स्कूल हैंडमास्टर को गिरफ्तार किया है। मामले में पूर्व में पकड़े गए 'मुन्ना भाई' और 'मुन्नी बहनों' से पूछताछ के बाद यह बड़ी कार्रवाई सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, विगत 24 फरवरी 2026 को कोतवाली रानीपुर क्षेत्र स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सलमेपुर में दूसरे के नाम पर फर्जी तरीके से परीक्षा दिलाने का मामला प्रकाश में आया था। इस संबंध में कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेश चन्द्र द्विवेदी की शिकायत पर थाना रानीपुर में मु0अ0सं0 59/2026 सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

पहले 7 आरोपी पकड़े जा चुके

रानीपुर पुलिस ने प्रारंभिक जांच में 03 'मुन्ना भाई' और 04 'मुन्नी बहनों' को हिरासत में लिया था। उनके कब्जे से फर्जी प्रवेश पत्र बरामद किए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह राणा के नेतृत्व में टीम ने विस्तृत विवेचना शुरू की।

मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

जांच के दौरान पुलिस ने फर्जी प्रवेश पत्र तैयार कर परीक्षा दिलवाने वाले मुख्य आरोपी को चिन्हित किया। दिनांक 26 फरवरी 2026 को आरोपी चंगेज अंसारी (40 वर्ष), निवासी मेन रोड मोहल्ला चौहनान, ज्वालापुर को पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने स्वयं को Almodia Islamic High School का प्रिंसिपल बताया। उसने 'द सक्सेज प्वॉइंट' नाम से व्हाट्सएप/सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से ऑनलाइन कोचिंग संचालित करने की बात भी स्वीकार की।

ट्यूशन के नाम पर वसूली, फर्जी प्रवेश पत्र तैयार

आरोपी ने ट्यूशन के नाम पर छात्रा के परिजनों से परीक्षा पास कराने के लिए धनराशि ली। इसके बाद एक अन्य छात्रा की फोटो का उपयोग कर फर्जी प्रवेश पत्र तैयार कराया गया। उसी फर्जी प्रवेश पत्र के आधार पर वास्तविक परीक्षार्थी के स्थान पर दूसरी छात्रा को परीक्षा दिलाई गई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना एवं सार्वजनिक परीक्षा में प्रतिरूपण कराने जैसे गंभीर आरोपों में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अन्य संस्थान की भूमिका भी जांच के दायरे में

प्रकरण में सावित्री शिक्षा सदन की संभावित भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस टीम आशुतोष सिंह राणा, प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली रानीपुर, उ0नि0 मन्दीप सिंह का0 विवेक गुसांई

कनखल में देर रात टेंट की दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कनखल थाना क्षेत्र में देर रात्रि एक टेंट की दुकान में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

पजानकारी के अनुसार, रात्रि लगभग 12:55 बजे कनखल थाने के निकट स्थित गीता टेंट हाउस में अचानक आग लग गई। देर रात दुकान से उठती लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही फायर यूनिट मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। आग की गंभीरता को देखते हुए फायर स्टेशन मायापुर से दो अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। कुल तीन दमकल गाड़ियों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला।

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद भीषण आग और घने धुएं पर पूरी तरह काबू पाया। आग इतनी तेज थी कि टेंट हाउस में रखा कपड़े, सजावटी सामग्री, फर्नीचर और अन्य उपकरण पूरी तरह जलकर

नष्ट हो गए। प्रारंभिक आकलन के अनुसार लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

मायादेवी मंदिर में संतों ने रंगभरी एकादशी पर पंचगव्य से खेली होली

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार की अधिष्ठात्री मायादेवी मंदिर में शुक्रवार को रंगभरी एकादशी जिसे आमलकी एकादशी भी कहा जाता है, धूमधाम से मनाई गई। बद्रीनाथ पीठ के जगदगुरू शंकराचार्य राजेश्वरानंद गिरि महाराज की अध्यक्षता तथा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष, श्री निंरजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज व जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के मार्गदर्शन व निर्देशानुसार देश भर से आए साधु-संतों ने पंचगव्य से होली खेलकर भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, भगवान शिव व माता पार्वती से विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना की। जगदगुरू स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि महाराज का चादर विधि से अभिषेक

किया गया। श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि हरिद्वार धर्म भूमि उत्तराखंड का द्वार है। हरिद्वार का अर्थ हरि व हर यानि भगवान विष्णु व भगवान शिव के द्वार से है। यहां पूजा-अर्चना करने से भगवान विष्णु व भगवान शिव तक पहुंचने का द्वार खुल जाता है। भगवान बद्रीनाथ, भगवान केदारनाथ गंगोत्री व यमुनोत्री ये चार धाम आंनद, मुक्ति व मोक्ष के द्वार हैं। ऐसी पवित्र नगरी में भगवान की कृपा से ही रंगभरी एकादशी जिसे आमलकी एकादशी भी कहा जाता है, मनाने का सौभाग्य प्राप्त होता है। श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि महाराज की सनातन धर्म को मजबूत करने व सनातन धर्म की पताका पूरे विश्व में फहराने की यात्रा रंगभरी एकादशी से हरिद्वार की अधिष्ठात्री मायादेवी मंदिर से शुरू होना भगवान का आशीर्वाद ही है। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि रगभरी एकादशी का बहुत अधिक महत्व है, क्योंकि यह पर्व भगवान विष्णु के साथ भगवान शिव

हरिद्वार कोतवाली पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश, 10 वारंटी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वाले वारंटियों के खिलाफ कोतवाली नगर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत फरार चल रहे 10 वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी को न्यायालय के समक्ष पेश गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर अभय प्रताप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी नगर शिशुपाल नेगी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर रितेश शाह के नेतृत्व में वारंटियों की शत-प्रतिशत तामील सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। दिनांक

26/27 फरवरी 2026 को गठित टीमों ने विभिन्न संभावित स्थानों पर दबिश देकर उन वारंटियों को गिरफ्तार किया, जो लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे और न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे।

गिरफ्तार किए गए वारंटियों का विवरण

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अधिकांश आबकारी अधिनियम से संबंधित मामलों में वांछित थे, जबकि एक आरोपी धारा 294 भादवि तथा एक अन्य धारा 138 एनआई एक्ट के मामले में वारंटी था। गिरफ्तार अभियुक्तों में ब्रह्मपुरी, भूपतवाला, खड़खड़ी, कनखल, जमालपुर सहित हरिद्वार नगर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के निवासी शामिल हैं। कुछ आरोपियों के स्थायी पते उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली से भी जुड़े हुए हैं। पुलिस के अनुसार, लंबे समय से फरार चल रहे इन वारंटियों की तलाश में पूर्व में भी कई स्थानों पर दबिश दी गई थी, किंतु वे गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहे थे। अभियान के दौरान सघन सत्यापन और मुखबिर तंत्र की सहायता से पुलिस को सफलता मिली।

पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका

इस अभियान में प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह के नेतृत्व में उपनिरीक्षकों एवं कांस्टेबलों की संयुक्त टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय से जारी वारंटों की तामील में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और फरार आरोपियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस सख्त

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने कहा है कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने वालों को सख्त संदेश दिया जा सके।

जिलाधिकारी ने नाले-गदेरो और जल भराव क्षेत्रों में सफाई करने के दिए निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) एवं (एनडीआरएफ) से सहायता देने की मदो और मानदंडों के संशोधन के संबंध में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर आपदा प्रबंधन के तहत राज्य मोचन निधि के वर्ष 2022 -23 से 2025-26 में निर्धारित मानको में संशोधन किए जाने के संबंध में सभी से लिखित में सुझाव/आख्या भेजने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था सिंचाई, लोनिवि, आरडब्ल्यूडी, पेयजल निगम, खंड विकास अधिकारियों आदि को आपदा प्रबन्धन में स्वीकृत योजनाओं के कार्य पूर्ण करते हुए थर्ड पार्टी निरीक्षण/उपयोगिता प्रमाण पत्र जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी को तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि जो भी कार्य किए जाने है उन कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराना सुनाश्चित करे,इसमें किसी भी प्रकार से कोई शिथिलता एवं ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने जनपद में अवस्थित नालो एवं गदेरो की प्राथमिकता से साफ सफाई करने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने निर्देश दिए है कि जिन क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति उत्पन्न होती है, ऐसे क्षेत्रों में जल निकासी के लिए उचित प्रबन्धन तत्परता से किया जाए,जिससे कि क्षेत्रवासियों को कोई समस्या न होने पाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि अनटाइड फंड के तहत निर्माण कार्यों के लिए जो भी धनराशि निर्गत की गई है,उस धनराशि का व्यय करते हुए कार्य पूर्ण करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी मीरा रावत ने विभिन्न विभागों को उपलब्ध कराई गई धनराशि के सापेक्ष व्यय की गई धनराशि के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

बैठक में अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान, उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी आकाश जोशी, अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, जिला पशु चिकित्साधिकारी डीके चंद्र, जिला कृषि अधिकारी गोपाल भंडारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पथरी पुलिस ने त्योहारों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए की बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी होली त्यौहार व प्रचलित रमजान महीने के दृष्टिगत आपसी सौहार्द के उद्देश्य से थाना पथरी क्षेत्राँतर्गत शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य लोगों से अपील की गई कि वह क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

थाना पथरी परिसर एवं चौकी फेरुपुर क्षेत्र में आगामी होली त्यौहार व प्रचलित रमजान महीने के दृष्टिगत आपसी भाईचारा सौहार्द पूर्ण त्योहारों को मनाए जाने के उद्देश्य से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। थाना परिसर तथा फेरुपुर डिग्री कॉलेज में आयोजित उक्त गोष्ठी में थानध्यक्ष पथरी सहित अन्य समस्त उप निरीक्षक गण के साथ-साथ सम्बंधित प्रशाशनिक अधिकारी एवं क्षेत्र के अनेक

संभ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे तथा आगामी त्यौहारों को स-कुशल संपन्न कराने में पुलिस का सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। इस अतिरिक्त पुलिस द्वारा भी सभी को सचेत किया गया यदि त्यौहार में किसी प्रकार की दखल डाली तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर होली पर्व और रमजान के दृष्टिगत खानपुर पुलिस द्वारा भी शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

उत्तराखंड पुलिस का 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' तेज

किरायेदार सत्यापन नहीं तो मकान मालिकों पर कड़ी कार्रवाई तय

पथ प्रवाह, देहरादून

जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' की समीक्षा हेतु शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं कानून व्यवस्था) ने की, जिसमें जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जो मकान मालिक अपने अपार्टमेंट/मकान किराये पर देकर स्वयं बाहर रह रहे हैं और किरायेदारों का पुलिस सत्यापन नहीं करा रहे हैं, उनके विरुद्ध अनिवार्य रूप से वैधानिक कार्रवाई की जाए। यदि कोई किरायेदार आपराधिक पृष्ठभूमि का पाया जाता है और उसका सत्यापन नहीं कराया गया है, तो संबंधित मकान मालिक के विरुद्ध भी आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।

12 दिनों में 1600 से अधिक पर निरोधात्मक कार्रवाई

'ऑपरेशन क्रैकडाउन' के तहत विगत 12 दिनों में दून पुलिस ने व्यापक स्तर पर अभियान चलाते हुए 1600 से अधिक व्यक्तियों के

विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की है। इसके साथ ही 800 से अधिक मकान मालिकों पर किरायेदारों का सत्यापन न कराने के आरोप में 83 पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 80 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश दिए कि बड़े अपार्टमेंट, सोसाइटियों और पॉश कॉलोनियों में भी विशेष अभियान चलाकर सत्यापन प्रक्रिया को और सख्ती से लागू किया जाए।

संपादकीय

हरिद्वार में पॉड टैक्सी: आस्था नगरी के लिए आधुनिक यातायात की नई दिशा

हरिद्वार, जिसे धर्म, आस्था और पर्यटन की वैश्विक पहचान प्राप्त है, अब आधुनिक शहरी परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने जा रहा है। 21 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित मेट्रो पीआरटी (पॉड टैक्सी) परियोजना केवल एक परिवहन योजना नहीं, बल्कि शहर के भविष्य की रूपरेखा है। तीर्थनगरी में साल भर लगने वाली भीड़, त्योहारों और कांवड़ जैसे आयोजनों के दौरान बढ़ता दबाव तथा संकरी सड़कों पर जाम की समस्या लंबे समय से चिंता का विषय रही है। ऐसे में पॉड टैक्सी व्यवस्था शहर को भीड़मुक्त और व्यवस्थित बनाने की दिशा में कारगर पहल साबित हो सकती है।

यह परियोजना ऑन-डिमांड, चालक-रहित और पूर्णतः स्वचालित प्रणाली पर आधारित होगी। इलेक्ट्रिक संचालन होने के कारण यह पर्यावरण के अनुकूल है और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में सहायक होगी। आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य के संगम वाले हरिद्वार जैसे शहर में यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी सराहनीय है। नियंत्रित गाइडवे पर चलने वाली यह प्रणाली सुरक्षा के उच्च मानकों को सुनिश्चित करेगी, जिससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सकेगा। परियोजना की खास बात यह है कि इसमें अपेक्षाकृत कम भूमि की आवश्यकता होगी। भारत माता मंदिर से लेकर शांतिकुंज, मोतीचूर, भीमगोड़ा, हर की पौड़ी और ललतारों ब्रिज जैसे प्रमुख स्थलों को जोड़ने का प्रस्ताव है। साथ ही मनसा देवी और चंडी देवी रोपवे से एकीकृत कनेक्टिविटी तीर्थयात्रियों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगी। यदि यह योजना समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित होती है तो शहर में वाहनों की संख्या और पार्किंग के दबाव में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

हालांकि, किसी भी बड़ी परियोजना की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। भूमि हस्तांतरण, वित्तीय पारदर्शिता, समयसीमा का पालन और स्थानीय जनभागीदारी जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि परियोजना की लागत आम जनता पर अतिरिक्त बोझ न बने।

हरिद्वार की पहचान आध्यात्मिकता से है, लेकिन बदलते समय के साथ आधुनिक सुविधाओं का समावेश भी आवश्यक है। यदि पॉड टैक्सी परियोजना योजनाबद्ध और पारदर्शी तरीके से लागू होती है, तो यह न केवल यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि हरिद्वार को स्मार्ट और सतत शहर के रूप में नई पहचान भी दिला सकती है।

शांति से डिगती दुनिया पहुंची युद्ध के मुहाने पर

डॉ हिदायत अहमद खान

आज का वैश्विक परिदृश्य अस्थिरता और संघर्ष के संकटों से जूझता हुआ नजर आ रहा है। रुस और यूक्रेन के बीच लगातार जारी तनाव, इजराइल और हमास के बीच गाजा में संघर्ष, सीरिया संघर्ष, ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका, और अब पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के बीच सीमा पर सैन्य टकराव ने स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर लगातार बढ़ते तनाव ने स्थिति को सीधे सैन्य संघर्ष में तब्दील कर दिया है। वैसे पाकिस्तान इन दिनों अशांति के चरम दौर से गुजर रहा है, ऐसे में उसका अफगानिस्तान से सीधा टक्कर लेना किसी बड़े झमेले में फंसने से कम नहीं है। तालिबान पर तरह-तरह के आरोप लगाकर एयरस्ट्राइक कर अपनी पीठ थपथपाने के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है वह न सिर्फ चिंता में डालने वाली है बल्कि इंसानियत के नाते भयावह भी है। दरअसल पाकिस्तान को जवाब देते हुए अफगान सेना ने दावा किया है कि पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर 55 सैनिकों को मार गिराया और कई को बंदी बना लिया गया है। वहीं पाकिस्तान ने काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमले कर 130 से अधिक अफगान लड़ाकों को ढेर करने का दावा किया है। इससे पहले अफगानिस्तान कह चुका है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है, जिसमें मौतें भी हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक' के तहत तालिबान ठिकानों और चौकियों पर बमबारी की, जबकि अफगान प्रवक्ता ने पाकिस्तानी चौकियों और ब्रिगेड मुख्यालयों को निशाना बनाने का दावा किया। इस सैन्य संघर्ष में आम नागरिकों की जान पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है। शरणार्थी शिविरों पर मिसाइल हमलों से महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों घायल और मृत हुए हैं। दरअसल इस पूरे विवाद की जड़ 2,611 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन है, जिसे अफगानिस्तान कभी मान्यता नहीं देता। टीटीपी की गतिविधियाँ और मध्यस्थता के टूटने से सीमा पर हालात और नाजुक हो गए हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान द्वारा भारत को इस संघर्ष में घसीटने की कोशिश ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान को भारत का 'प्रॉक्सी' करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि कई विश्लेषक इसे आंतरिक असफलताओं और सीमा पर नियंत्रण खोने का ध्यान भटकाने वाला कदम मान रहे हैं।

दक्षिण एशिया में यह तनाव वैश्विक शांति के लिए भी चिंता का विषय है। अगर यह संघर्ष और बढ़ा, तो क्षेत्रीय अस्थिरता और मानवीय संकट गहरा सकता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच टकराव न केवल स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि वैश्विक तेल, वाणिज्य और निवेश पर भी असर डाल सकता है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है भारत की सीमा से लगे अधिकांश देशों में हिंसा बढ़ी है, जेन-जी क्रांति ने नेपाल और ढाका में तो सत्ता पलटने का काम भी किया है, ऐसे में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का संघर्ष वाकई बड़ी चिंता पैदा करने वाला है। इसलिए वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों का महत्व बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भरोसेमंद सहयोगियों जेरेड कुश्नर और स्टीव विटकॉफ को मध्यस्थता के लिए नियुक्त किया है। उन्होंने जिनेवा में ईरान, यूक्रेन और गाजा से संबंधित कई उच्चस्तरीय वार्ता की। ईरानी परमाणु समझौते और अमेरिका-इज़राइल संभावित हमलों को टालने के प्रयासों के अलावा, यूक्रेन-रूस संघर्ष में भी संवाद का रास्ता खोलने की कोशिश की गई। कुश्नर और विटकॉफ की सक्रियता यह दर्शाती है कि कूटनीति केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि व्यक्तिगत और व्यावसायिक नेटवर्क भी संकट समाधान में भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, इन प्रयासों में कई चुनौतियाँ हैं।

गाजा, अफगानिस्तान और यूक्रेन के मुद्दे तकनीकी, ऐतिहासिक और सामाजिक जटिलताओं से भरे हुए हैं। एक ही समय में इन सभी समस्याओं का समाधान ढूंढना व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि निजी दूतों की भूमिका में पारदर्शिता की कमी और व्यावसायिक हितों का टकराव शांति प्रयासों में बाधक बन सकता है। फिलहाल, दुनिया शांति और युद्ध के बीच संवेदनशील संतुलन पर खड़ी है। युद्ध की संभावनाएँ केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन

संजय गोस्वामी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2026 को पूरे भारत में मनाया जाता है । यह दिवस 1928 में भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज की याद में मनाया जाता है जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला था । दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अनुप्रयागों (applications) के महत्व को रेखांकित करना ,यह दिवस भारत के तकनीकी विकास और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करने का एक राष्ट्रव्यापी प्रयास है स्कूलोंकॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों में विज्ञान प्रदर्शनियांक्विज और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं 28 फरवरी 1928 को सी.वी. रमन ने रमन प्रभाव की खोज की थीजिसने भारतीय विज्ञान को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया इस वर्ष के आयोजन का उद्देश्य विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।

इसका मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना और हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलानाभारत को दूसरा सी.वी. रमन नहीं मिल सकता है- किंतु सी.वी. रमन के जीवन से सीख हासिल कर रमन परंपरा अथवा वैज्ञानिक खोजों को आगे बढ़ाया जा सकता है। 'जितनी जल्दी नई पीढ़ी के प्रेरणास्रोत वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, सैनिक और किसान बनने लगेंगे उतनी जल्दी भारत विकसित देशों की सूची में शामिल होगा।' हमें समझना पड़ेगा कि - कोई भी अनुसंधान करने में कठिन परिश्रम और लगन की आवश्यकता होती है, कीमती उपकरण की नहीं। सी.वी. रमन कहते हैं - 'हमेशा सही सवाल पूछें, फिर देखना प्रकृति अपने सभी रहस्यों के द्वार खोल देगी।' वे ये भी कहते हैं कि 'शिक्षा का उद्देश्य लोगों को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपने स्वयं के निर्णय लेने के लिये सक्षम बनाना है।' उनके विचार से यही प्रतीत होता है कि सी.वी. रमन सीखने-सिखाने व तर्कसंगत सवाल करने के पक्षधर थे। विज्ञान और वैज्ञानिक क्यों व कैसे में न पड़ें तो खोज व आविष्कार कैसे हो पाएगा? शिक्षा को मनुष्य की सबसे बड़ी ज़रूरत मानने वाले सी वी रमन का पूरा नाम 'चंद्रशेखर वेंकटरमन' था। खोजी प्रवृत्ति के धनी सी. वी. रमन ने वर्ष 1930 में भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जीता। श्री रमन द्वारा जीते गए नोबेल पुरस्कार ने भारतीय वैज्ञानिक समुदाय की ओर पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया।दरअसल इस संसार में इंसान अपने कार्यों से प्रभाव छोड़ता है। उनके प्रभावों से उनकी शख्सियत बनती है। इतिहास गवाह है कि सी.वी. रमन के 'रमन प्रभाव' ने वैश्विक पटल पर इतना उम्दा प्रभाव छोड़ा कि वे हमेशा के लिये महान वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हो गए। भारतरत्न, भौतिकी का नोबेल पुरस्कार, फ्रेंक्लिन मेडल, लेनिन शांति पुरस्कार और रॉयल सोसाइटी ने सी.वी. रमन की प्रतिष्ठा व लोकप्रियता में उत्तरोत्तर वृद्धि की। आज दुनिया जिस सी.वी. रमन को जानती है उनके बनने की प्रक्रिया तप-त्याग से होकर गुज़री है। 'अपनी नाकामयाबियों के लिये मैं खुद ज़िम्मेदार हूँ, अगर मैं नाकामयाब नहीं होता तो इतना सब कुछ कैसे सीख पाता।' इस विचार के समर्थक सी.वी. रमन का जन्म 7 नवंबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में हुआ था। गणित व भौतिकी का माहौल इन्हें घर ने ही प्रदान किया था। इनके पिता चंद्रशेखर अय्यर गणित व भौतिकी के लेक्चरर थे। उन्हीं से रमन में विज्ञान व शिक्षण के प्रति लगाव पैदा हुआ। और यह लगाव अंतिम साँस तक कायम रहा। होनहार बिरवान के होत चिकने पात! बालक सी.वी. रमन का मन विज्ञान में खूब रमता था। वे बचपन में खेल-खेल में प्रयोग किया करते थे। विद्यालय और छात्रावास में अपने सहपाठियों के साथ जबकि घर में भाई-बहनों के साथ विज्ञान के छोटे-छोटे प्रयोग में मशगूल रहना उनकी दिनचर्या का मूल हिस्सा बन गया था। सभी घटनाओं में वे कार्य-कारण सिद्धांत को लागू किया करते थे। अंतिम जवाब मिलने तक वे स्वयं से सवाल किया करते थे। विज्ञान में गहरी रुचि और पिताजी के द्वारा गणित व विज्ञान में किये जा रहे शिक्षण कार्य ने बालक सी.वी. रमन के मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ी। यही वजह है कि वे विज्ञान व गणित की पढ़ाई करने के लिये प्रेरित हुए। प्रतिभाशाली सी.वी. रमन ने बहुत जल्दी स्कूल की पढ़ाई पूरी की, 11 साल की आयु में अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की, 13 साल में अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी की और 16 साल की आयु में स्नातक की डिग्री हासिल की। उन्होंने भौतिकी में गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके बाद मद्रास विश्वविद्यालय से बेहतरीन अंकों के साथ गणित में स्नात्तकोत्तर की डिग्री हासिल की।स्नात्तकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के बाद वे भारतीय वित्त विभाग में नौकरी करने लगे, लेकिन कलकत्ता में 'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस' की प्रयोगशाला में शोध करना जारी रखा। शिक्षण-अधिगम से लगाव रखने वाले सी.वी. रमन ने अपनी सरकारी नौकरी छोड़ दी और वर्ष 1917 में कलकत्ता विश्वविद्यालय में भौतिकी के प्रोफेसर बन गए। सी.वी. रमन के तमाम शोध कार्य इसी कर्मस्थली में संपन्न हुए थे।विज्ञान सी.वी. रमन की रगों में दौड़ता था। यही कारण है कि उनका अधिकतर समय लैब में बीतने लगा। जब लैब में मस्तिष्क थक जाता तब भौतिकशास्त्री सी.वी. रमन संगीत का रुख करते थे। विद्यार्थियों को पढ़ाना, लैब में प्रयोग करना और वीणा में लीन हो जाना उनकी दिनचर्या थी। उन्होंने संसाधनों की कमी को कभी समस्या नहीं माना, उनका कहना था - 'गरीबी और निर्धन प्रयोगशालाओं ने मुझे मेरे सर्वोत्तम कार्य करने के लिये और भी दृढ़ता दी।' सी.वी. रमन के अनुसार उनके जीवन का स्वर्ण समय वर्ष 1919 का था जब उन्हें इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 'मानद प्रोफेसर' व 'मानद सचिव' के रूप में दो पद हासिल हुए।सी.वी. रमन ने स्नात्तकोत्तर के दौरान प्रकाश के व्यवहार पर आधारित अपना पहला शोध-पत्र लिखा।

शिक्षा में न्यायपालिका: संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

ललित गर्ग

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि 'किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा' केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है- पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें।

यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप। न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक् विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में 'संस्थागत अध्ययन' का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए। इससे छात्र न तो अंधभक्त बनेंगे और न ही निंदक, वे सजग नागरिक बनेंगे।

शिक्षा मंत्रालय को भी इस अवसर को आत्ममंथन के रूप में लेना चाहिए। विवाद के बाद अध्याय हटाना तात्कालिक समाधान हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं। आवश्यकता है एक स्वतंत्र, बहुविषयी समीक्षा तंत्र की, जिसमें विधि विशेषज्ञ, पूर्व न्यायाधीश, शिक्षाशास्त्री, समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञान के जानकार शामिल हों। साथ ही, सार्वजनिक परामर्श की परंपरा विकसित की जा सकती है ताकि पाठ्य पुस्तकें केवल सरकारी दस्तावेज न रहकर सामाजिक सहमति का दस्तावेज बनें। न्यायपालिका भी इस प्रसंग में रचनात्मक पहल कर सकती है। यदि वह स्वयं विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए न्यायिक साक्षरता कार्यक्रम आरंभ करे, न्यायालयों के कार्यप्रणाली पर सरल और संतुलित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराए, तो इससे भ्रांतियों का निवारण होगा।

भाजपा का कुनबा बढ़ा, कांग्रेस-बसपा समेत कई दलों के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल

पथ प्रवाह, देहरादून

प्रदेश की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला जब कांग्रेस, बसपा, यूकेडी और अन्य दलों से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। देहरादून स्थित प्रदेश मुख्यालय में आयोजित ज्वाइनिंग कार्यक्रम में मातृशक्ति और जेन जी युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अगुवाई प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने की। उन्होंने कहा कि कुमाऊं से लेकर गढ़वाल मंडल तक भाजपा सरकार और संगठन के कार्यों से प्रभावित होकर अन्य दलों के कार्यकर्ताओं का रुझान तेजी से बढ़ा है। इसी उत्साह को देखते हुए पार्टी ने प्रत्येक विधानसभा में 2 से 3 हजार नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें स्थानीय विधायकों की भूमिका अहम रहेगी।

डबल इंजन सरकार के कार्यों का असर

बलबीर रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राजपुर रोड विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक खजान दास और प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने नवागंतुकों का फूलमाला और पार्टी पटका पहनाकर स्वागत किया।

अपने संबोधन में महेंद्र भट्ट ने कहा कि 'इतनी बड़ी संख्या में आप सबका यहां आना इस बात का प्रमाण है कि हमारी डबल इंजन सरकार शानदार कार्य कर रही है। भाजपा संगठन राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है और मिशन 2027 को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ रहा है। '

उन्होंने बताया कि इससे पहले हल्द्वानी, रुद्रपुर, पिथौरागढ़, देहरादून, हरिद्वार और गढ़वाल क्षेत्र में भी हजारों लोग भाजपा से जुड़ चुके हैं। सदस्यता अभियान के दूसरे चरण में प्रदेशभर में उत्साह का माहौल है।

मातृशक्ति और युवाओं की बड़ी भागीदारी

ज्वाइनिंग कार्यक्रम में कांग्रेस से पूर्व महानगर महामंत्री सौरभ सचदेवा सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं–विजयलक्ष्मी सोढ़ी, अंशु जोशी, मधु राजपूत, पूनम आर्य, ममता सिंह, रेखा कौर, रितु गिल, सिमरन नागपाल आदि–ने भी पार्टी की सदस्यता ली।

इसके अलावा स्वराज सेवा दल छोड़कर आई कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा की नीतियों में विश्वास जताया। पूर्व पार्षद श्रीमती देविका रानी के नेतृत्व में भी कई स्थानीय कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

युवा मोर्चा के सहयोग से बसपा के चार बार के प्रदेश अध्यक्ष रहे नेता के पुत्र शेखर चौधरी ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ बड़ी संख्या में युवाओं ने पार्टी के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

'दुनिया की सबसे बड़ी कार्यकर्ता आधारित पार्टी '

प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। देश में सबसे अधिक सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि भाजपा के हैं, जो जनता के अपार विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्र में लगातार तीसरी बार और उत्तराखंड में दूसरी बार सरकार बनने के बाद भाजपा 20 से अधिक राज्यों में विकास कार्यों को गति दे रही है।

मिशन 2027 की तैयारी तेज

प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पार्टी ने विधानसभावार 2 से 3 हजार नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य तय किया है। मंडल और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करते हुए मिशन 2027 को सफल बनाना प्राथमिकता है।

ज्वाइनिंग कार्यक्रम में प्रदेश कार्यालय सचिव जगमोहन सिंह रावत, सह मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह नेगी, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती कमलेश रमन, धीरेन्द्र पंवार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हरिद्वार में 21 किमी पॉड टैक्सी परियोजना का स्थलीय निरीक्षण, जल्द शुरू करने के निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार पहुंचे सचिव (आवास) आर राजेश कुमार ने शहर में प्रस्तावित 21 किलोमीटर मेट्रो पीआरटी (पॉड टैक्सी) परियोजना का संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। प्रबंध निदेशक उत्तराखण्ड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन बृजेश कुमार मिश्रा ने अवगत कराया कि परियोजना की कुल लंबाई 20.74 किमी होगी, जिसमें 21 स्टेशन प्रस्तावित हैं। परियोजना को 15 फरवरी 2023 को उत्तराखण्ड सरकार की मंत्रिमंडल से स्वीकृति मिल चुकी है। इसके लिए कुल 4.8743 हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित है, जिसमें निजी व रेलवे भूमि भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि ऑन-डिमांड, चालक-रहित एवं पूर्णतः स्वचालित यह इलेक्ट्रिक प्रणाली यातायात जाम की समस्या को कम करेगी तथा पर्यावरण के अनुकूल होने के कारण कार्बन उत्सर्जन में भी कमी लाएगी। निरीक्षण के दौरान भारत माता मंदिर से शांतिकुंज, मोतीचूर, खड़खड़ी-भीमगोड़ा, ललतारों ब्रिज, वाल्मीकि चौक, मनसा देवी रोपवे गेट और हर की पौड़ी क्षेत्र का दौरा किया गया। दीनदयाल पार्किंग स्थल पर प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे (मां चंडी देवी एवं मनसा देवी मंदिर) के लोअर टर्मिनल का भी सर्वेक्षण किया गया। सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार परियोजना को शीघ्र प्रारंभ किया जाए तथा राजकीय भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया प्राथमिकता पर पूर्ण की जाए। निरीक्षण में निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'मेरा मामा टीटी है' गैंग का भंडाफोड़, दो शातिर गिरफ्तार, तीसरे की तलाश जारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को टिकट कंफर्म कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले 'मेरा मामा टीटी है' गैंग का जीआरपी हरिद्वार ने पर्दाफाश कर दिया है। जीआरपी कप्तान अरूणा भारती के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि उनके तीसरे फरार साथी की तलाश जारी है।

टिकट कंफर्म कराने के नाम पर बनाते थे शिकार

पिछले कुछ दिनों से हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर बिहार, झारखंड एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले भोले-भाले यात्रियों को निशाना बनाया जा रहा था। आरोपी अपनी ही बोली-भाषा में बातचीत कर विश्वास जीतते और कहते– 'मेरा मामा यहां टीटी है, टिकट कंफर्म करा दूंगा। '

इसके बाद वे यात्रियों से मोबाइल फोन, आधार कार्ड, एटीएम/फोन का पिन कोड और नकदी लेकर उन्हें स्टेशन मास्टर कार्यालय या रेलवे अधिकारी विश्रामगृह के आसपास इंतजार करने को कहते। इसी बीच वे एटीएम या यूपीआई के जरिए खातों से रकम साफ कर फरार हो जाते थे।

22 फरवरी की घटना से खुला राज

22 फरवरी 2026 को बिहार के सहरसा निवासी मनीष और उनके मित्र अनिल शाह हरिद्वार पहुंचे थे। आरोपियों ने प्लेटफार्म नंबर-1 पर स्टेशन मास्टर कार्यालय के पास उन्हें झांसे में लिया और कुल 6900 रुपये नकद तथा करीब 9000 रुपये बैंक खाते से निकाल लिए। मामले में थाना जीआरपी हरिद्वार में मुकदमा अपराध संख्या 07/26 धारा 318(4), 303(2), 317(2) बीएनएस के तहत पंजीकृत किया गया, बाद में धारा 3(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों रामकिशोर यादव (42 वर्ष) एवं हंसलाल महतो (38 वर्ष), दोनों निवासी जिला सीतामढ़ी, बिहार को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय के आदेश पर दोनों को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

सुनील राठी गैंग के दो सक्रिय सदस्य हथियारों सहित गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखण्ड एसटीएफ और देहरादून पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात अपराधी सुनील राठी गैंग के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से 02 अवैध पिस्टल (.32 बोर) और 07 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी देहरादून में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

सत्यापन अभियान के दौरान मिली सफलता

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर राज्य में सक्रिय अपराधियों और बाहरी राज्यों से जुड़े संदिग्ध तत्वों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ और दून पुलिस लगातार निगरानी कर रही थी। तकनीकी और मैनुअल इनपुट के आधार पर 26 फरवरी 2026 को राजपुर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन से दो आरोपियों को दबोचा गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान–

भानू चौधरी पुत्र आलोक कुमार, निवासी मील्स न्यू कॉलोनी, थाना सदर, सहारनपुर (उ.प्र.)

पारस पुत्र जगपाल सिंह, निवासी प्रेमपुरी, थाना कोतवाली, मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)

दोनों के विरुद्ध थाना राजपुर में मु0अ0सं0- 40/2026 धारा 111(3) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

शूटर रह चुका है कुख्यात गैंगों में

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी पारस पूर्व में माफिया डॉन मुख्तार अंसारी और कुख्यात अपराधी संजीव जीवा गैंग का शूटर रह चुका है। दोनों की मृत्यु के बाद वह सुनील राठी गैंग में शामिल हो गया था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पारस जेल में निरुद्ध सुनील राठी के लगातार संपर्क में था और सह-अभियुक्त भानू के साथ अक्सर उससे मिलने जाता था।

विवादित जमीनों में हस्तक्षेप कर उगाही

एसटीएफ के अनुसार दोनों आरोपी सुनील राठी के इशारे पर देहरादून और हरिद्वार की बेशकीमती एवं विवादित भूमियों में हस्तक्षेप कर उगाही कर रहे थे। कई व्यापारियों को राठी के नाम से धमकाकर धन वसूला जा रहा था, लेकिन भय के कारण कोई भी शिकायतकर्ता सामने नहीं आया।

पूछताछ में हरिद्वार के एक विवादित प्रॉपर्टी डीलर का नाम भी सामने आया है, जो पूर्व में हत्या के मामले में जेल जा चुका है और उसके भी सुनील राठी से संपर्क में होने की जानकारी मिली है।

आपराधिक इतिहास लंबा

अभियुक्त पारस पर हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2012 से 2020 के बीच मुजफ्फरनगर और देहरादून के विभिन्न थानों में उसके विरुद्ध कई संगीन मामले पंजीकृत हैं।

संयुक्त टीम की भूमिका

इस कार्रवाई में उत्तराखण्ड एसटीएफ के निरीक्षक अबुल कलाम के नेतृत्व में टीम तथा थाना राजपुर प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह रावत व उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

एसएमजेएन पीजी. कॉलेज की खेल प्रतियोगिता में नीरज और कीर्ति चैम्पियन

पथ प्रवाह, हरिद्वार

एसएमजेएन पीजी. कॉलेज में तीन दिनों से चल रही वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण समापन हुआ। छात्र चैम्पियन का खिताब बीकॉम के नीरज ने अपने नाम किया, जबकि छात्रा चैम्पियन की ट्रॉफी बीकॉम. की कीर्ति ने हासिल की। विजेता खिलाड़ियों को चैम्पियन ट्राफी प्रदान की गई। समापन समारोह उत्साह, तालियों और विजेताओं के सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ।

समापन अवसर पर प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल मैदान में प्रदर्शित जुझारूपन और अनुशासन जीवन की हर हार को भी जीत में बदलने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के समापन पर विद्यार्थियों के चेहरों पर झलकती मुस्कान और संतोष ही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। पिछले तीन दिनों से खेल परिसर जिस उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना से सराबोर रहा, वह सभी के लिए अविस्मरणीय रहेगा।

प्रो. बत्रा ने कहा कि मैदान पर हार-जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं। महत्वपूर्ण यह नहीं कि पदक मिला या नहीं, बल्कि यह है कि चुनौती का सामना कितनी ईमानदारी, अनुशासन और जुझारूपन से किया गया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए पूरे कॉलेज परिवार की सराहना की तथा घोषणा की कि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत कॉलेज में प्रत्येक माह खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय महेश्वरी ने कहा कि महाविद्यालय प्रत्येक वर्ष खेलों में नवाचार करता है। इस वर्ष छात्र-छात्राओं की संयुक्त रिले रेस का आयोजन लिंग समानता की भावना को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर यूको बैंक के मैनेजर दिनेश कुमार ने विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्य क्रीड़ा अधीक्षक श्री विनय थपलियाल ने भारतीय पारंपरिक खेलों – खो-खो और कबड्डी – को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया और कहा कि खेल अनुशासन एवं टीम वर्क की महत्ता सिखाते हैं।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

1500 मीटर दौड़ (छात्र वर्ग) प्रथम – सूजल (बी.कॉम.), द्वितीय – सारिक (बी.ए.) तृतीय – रुद्र कन्याल (बी.ए.) 1500 मीटर दौड़ (छात्रा वर्ग) प्रथम – दीक्षा यादव (बी.ए.) द्वितीय – दीक्षा शर्मा, तृतीय – ज्योति (बी.कॉम.), 200 मीटर दौड़ (छात्र वर्ग), प्रथम – नीरज (बी.कॉम.), द्वितीय – सूजल, तृतीय – रुद्र तिवारी, 200 मीटर दौड़ (छात्रा वर्ग), प्रथम – कीर्ति (बी.कॉम.), द्वितीय – दीक्षा यादव, तृतीय – सृष्टि भारद्वाज, चक्का फेंक (छात्र वर्ग) प्रथम – प्रिंस द्वितीय – मुंतजिर, तृतीय – देव मुकेश, त्रिकूट (छात्र वर्ग) प्रथम – कनिष्क, द्वितीय – मो. सारिक, तृतीय – मुंतजिर त्रिकूट (छात्रा वर्ग), प्रथम – कीर्ति, द्वितीय – कशिश, तृतीय – दीक्षा यादव

रिले रेस मुख्य आकर्षण रही

छात्र वर्ग रिले रेस प्रथम – आदित्य, विष्णु, रुद्र, प्रिंस,द्वितीय – नीरज, शिव, विनित, मनोज,तृतीय – मुंतजिर, देव मुकेश, सूजल, सारिक छात्रा वर्ग रिले रेस,प्रथम – कीर्ति, रीना, सृष्टि, कशिश, द्वितीय – दीक्षा यादव, दीक्षा शर्मा, प्रियंका, तान्या, तृतीय – तनीषा, कंचन कोटवाल, साक्षी, टिया संयुक्त रिले रेस प्रथम – कीर्ति, विनित, मुंतजिर, सृष्टि

द्वितीय – नीरज, तान्या, रवीना, मनोज, तृतीय – शिव, अजय, साक्षी, अदिति

हरिद्वार के व्यापारियों से वसूली जा रही थी रंगदारी, सुनील राठी गैंग के दो गुर्गों की गिरफ्तारी में पर्दाफाश

पथ प्रवाह, नवीन चौहान

हरिद्वार के व्यापारियों से रंगदारी वसूली जाने का खुलासा कुख्यात सुनील राठी के गुर्गों ने किया है। हरिद्वार के व्यापारियों में खौफ समाया हुआ था। गुर्गों की पूछताछ में जो खुलासा हुआ, उसने हरिद्वार के कारोबारी जगत में सनसनी फैला दी। एसटीएफ के अनुसार दोनों आरोपी सुनील राठी के इशारे पर हरिद्वार और देहरादून की बेशकीमती एवं विवादित जमीनों में हस्तक्षेप कर उगाही कर रहे थे। उत्तराखण्ड में संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ और देहरादून पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी सुनील राठी गैंग के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर हरिद्वार के व्यापारियों से की जा रही रंगदारी का पर्दाफाश किया है। आरोपियों के कब्जे से 02 अवैध पिस्टल (.32 बोर) और 07 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी देहरादून में किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, लेकिन उससे पहले ही संयुक्त टीम ने उन्हें धर दबोचा।

सत्यापन अभियान में मिली बड़ी सफलता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश में सक्रिय अपराधियों और बाहरी राज्यों से जुड़े संदिग्ध तत्वों के खिलाफ विशेष सत्यापन और निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 26 फरवरी 2026 को राजपुर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन को रोका गया। तलाशी में वाहन सवार दो युवकों के पास से अवैध हथियार बरामद हुए।

गिरफ्तार अभियुक्त:

भानू चौधरी पुत्र आलोक कुमार, निवासी सहारनपुर (उ.प्र.) पारस पुत्र जगपाल सिंह, निवासी मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) दोनों के खिलाफ थाना राजपुर में मु0अ0स0-40/2026 धारा 111(3) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

गैंग का तरीका बेहद सुनियोजित था–

पहले विवादित संपत्तियों और बड़े व्यापारियों की पहचान करते थे। फिर फोन कॉल या संदेश के माध्यम से धमकी देते और 'राठी के नाम' का हवाला देकर दबाव बनाकर अंततः मोटी रकम की वसूली करते थे। सूत्रों के अनुसार कई व्यापारियों से लाखों रुपये की रंगदारी वसूली गई, लेकिन गैंग के खौफ के कारण किसी ने खुलकर शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं दिखाई।

कुख्यात गैंगों से जुड़ा रहा है आरोपी

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पारस का आपराधिक इतिहास लंबा और संगीन है। वह पूर्व में माफिया डॉन मुख्तार अंसारी और कुख्यात अपराधी संजीव जीवा गैंग से भी जुड़ा रहा है। दोनों की मृत्यु के बाद उसने सुनील राठी गैंग का दामन थाम लिया। जांच में यह भी सामने आया कि पारस जेल में निरुद्ध राठी के लगातार संपर्क में था और सह-अभियुक्त भानू के साथ उससे मिलने भी जाता था।

हरिद्वार के एक प्रॉपर्टी डीलर का नाम भी आया सामने

पूछताछ के दौरान हरिद्वार के एक विवादित प्रॉपर्टी डीलर का नाम भी सामने आया है, जो पूर्व में हत्या के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि कहीं स्थानीय स्तर पर गैंग को संरक्षण या सहयोग तो नहीं मिल रहा था।

लंबा आपराधिक रिकॉर्ड

अभियुक्त पारस पर हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2012 से 2020 के बीच मुजफ्फरनगर और देहरादून के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कई संगीन मामले पंजीकृत रहे हैं।

संयुक्त टीम की अहम भूमिका

इस पूरे ऑपरेशन में उत्तराखण्ड एसटीएफ के निरीक्षक अबुल कलाम के नेतृत्व में टीम तथा थाना राजपुर प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह रावत व उनकी टीम की निर्णायक भूमिका रही। तकनीकी और मैनुअल इनपुट के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

आगे क्या?

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों, फाइनेंसरों और स्थानीय संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। हरिद्वार के व्यापारियों से आगे आकर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई है, ताकि रंगदारी के इस नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके। पुलिस का कहना है कि संगठित अपराध और भूमाफिया के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

उत्तराखंड का पहला महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया स्थलीय निरीक्षण

पथ प्रवाह, चम्पावत

उत्तराखंड के पर्वतीय अंचल के जनपद चम्पावत के लोहाघाट क्षेत्र स्थित छमनिया में लगभग 256 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन राज्य के प्रथम महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत अवलोकन करते हुए कार्यदायी संस्था एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएँ। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन फुटबॉल ग्राउंड, एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक सहित अन्य खेल मैदानों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही खिलाड़ियों हेतु 300 बालिकाओं की क्षमता वाले छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, प्रशासनिक भवन, एकेडमिक ब्लॉक, मल्टीपर्पज हॉल, ऑडिटोरियम एवं गेस्ट हाउस के निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि लोहाघाट में स्थापित हो रहा यह महिला स्पोर्ट्स कॉलेज प्रदेश की बेटियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएँ प्रदान करेगा। यहाँ विकसित की जा रही सभी खेल व्यवस्थाएँ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगी, जिससे प्रदेश की महिला खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रशिक्षण, शिक्षा एवं आवास की समग्र व्यवस्था उपलब्ध कराते हुए विशेष रूप से ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों की प्रतिभाशाली बालिकाओं को आगे बढ़ने का सशक्त मंच प्रदान करेगा।

एसपी उत्तरकाशी ने किया कोतवाली धरासू का निरीक्षण

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय ने 27 फरवरी 2026 को कोतवाली धरासू का वार्षिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण, लंबित मामलों की स्थिति तथा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया।

पुलिस अधिकारियों को पुलिस एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, पुलिस की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने तथा जनता के साथ समन्वय मजबूत रखने के निर्देश दिये गये। थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी/शिकायतकर्ता की समस्या को पूर्ण प्राथमिकता, संवेदनशीलता एवं सम्मान के साथ सुनने शिकायतकर्ता का विस्तृत विवरण- नाम, पता, संपर्क नंबर, शिकायत का प्रकार एवं संबंधित तथ्य रजिस्टर में स्पष्ट रूप से अंकित करने के साथ शिकायत निस्तारण की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु एक पृथक 'फीडबैक कॉलम' तैयार कर शिकायतकर्ता की संतुष्टि का विधिवत अभिलेखीकरण करने के निर्देश दिए गए।

विभिन्न ऑनलाईन पोर्टल, एप्प, छष्ट्रङ्कहृस्, छष्ट्रङ्कङ्ख, महिला हेल्प डेस्क, अभिलेख, शस्त्रागार, मैस, बैरिक, मालखाना, हवालात आदि का गहनता से निरीक्षण कर कार्यो की समीक्षा करते हुये अभिलेखों के उचित रखरखाव, सीसीटीएनएस, ऑनलाइन पोर्टलों को अद्यावधिक रखने तथा कार्य प्रणाली को प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। अपराधियों, हिस्ट्रीशीटर्स की निगरानी तथा लम्बित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों की जांच, समन, वारंटो की तामीली व निरोधात्मक कार्यवाही आदि की समीक्षा की गई। लावारिस वाहनों व माल मुकदमाती के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। शस्त्रों व आपदा उपकरणों का निरीक्षण कर जवानों की शस्त्र तथा आपदा उपकरणों की हैण्डलिंग जांची गयी। शस्त्रों तथा आपदा उपकरणों की साफ-सफाई के साथ संचालन का निरंतर अभ्यास करते रहने के निर्देश दिये गये। पुलिस मेस में भोजन की गुणवत्ता व साफ-सफाई का जायजा लेकर पुलिस कर्मियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने तथा आगंतुकों हेतु स्वच्छ वातावरण, पेयजल व प्रसाधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, समय-समय पर परिसर में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाने की हिदायत दी गयी। अवैध नशे तथा मादक पदार्थो की तस्करी, बिक्री व भण्डारण में संलिप्त नशे के सौदागरों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश के साथ पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित अभियानों के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के उपरांत एसपी उत्तरकाशी ने समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का सम्मेलन लेकर विभागीय कार्यप्रणाली, अनुशासन एवं ड्यूटियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस कार्मिकों की व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं की सुनते हुये उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गए। बीट पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक सक्रिय एवं परिणामदायी बनाने तथा बीट अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ सतत संवाद/सम्पर्क स्थापित करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक धरासू मनोज असवाल, वाचक कोमल सिंह रावत, आशुलिपिक कैलाश शाह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भटवाड़ी तहसील को मॉडल तहसील बनाने की पहल, लोनिवि सचिव ने विकास का खाका तैयार करने के दिए निर्देश

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) सचिव पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा भटवाड़ी तहसील के विकास का दायित्व मिलने के उपरांत तहसील के समग्र और सुनियोजित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जिला सभागार में समीक्षा बैठक की। सचिव ने स्पष्ट किया कि भटवाड़ी तहसील को विकास के पथ पर अग्रणी बनाना उनका प्रमुख लक्ष्य है। इसके लिए आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण, जनसुविधाओं का विस्तार, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा सतत विकास की अवधारणा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास केवल योजनाओं तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखाई देना चाहिए, ताकि आमजन को उसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। लोनिवि सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे तहसील के विकास हेतु विस्तृत मास्टर प्लान तैयार करें। इस मास्टर प्लान में क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, लोगो

की आवश्यकताओं, आधारभूत संसाधनों तथा भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक योजनाओं का समावेश किया जाए। प्रत्येक विभाग अपनी कार्ययोजना समयबद्ध लक्ष्य के साथ प्रस्तुत करेगा, जिससे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि विकास कार्यों में किसी प्रकार की प्रशासनिक, तकनीकी या वित्तीय समस्या आती है तो वह अवगत कराए शासन स्तर पर समन्वय स्थापित कर समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएगा, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब न हो। सचिव स्तर पर समय-समय पर समीक्षा बैठक आयोजित कर प्रगति का मूल्यांकन भी किया जाएगा। लोनिवि सचिव पंकज कुमार पाण्डेय ने वर्ष 2025-26 की जिला योजना के अंतर्गत लोनिवि, विद्युत, पेयजल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की। सड़क, पुल एवं भवन निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने, विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ एवं निर्बाध बनाने, पेयजल योजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकीय सेवाओं को सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया जाएगा। सचिव पंकज कुमार पांडे ने आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों को गति देते हुए अधीक्षण अभियंता लोनिवि और बीआरओ के अधिकारियों के साथ गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया और बीआरओ व लोनिवि के अधिकारियों को दो-टूक लहजे में कार्यशैली सुधारने के निर्देश दिए। यात्रा से पूर्व मार्ग को हर हाल में पूर्ण रूप से सुगम और सुरक्षित बनाने के संकल्प के साथ सचिव ने जिलाधिकारी के साथ समीक्षा की। सचिव ने कहा यात्रा मार्ग की सुगमता और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बीआरओ और लोनिवि को साथ में समन्वय स्थापित कर संवेदनशील स्थानों के उपचार और सड़क सुधारीकरण के लिए सख्त समय-सीमा तय कर दी है। गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि चारधाम यात्रा प्रदेश की आस्था, संस्कृति और अर्थव्यवस्था से जुड़ी एक महत्वपूर्ण यात्रा है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय से समयबद्ध तैयारियां पूर्ण करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन द्वारा यात्रा शुरू होने से पूर्व सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। सुरक्षित , सुगम, और व्यवस्थित चारधाम यात्रा का संचालन करना प्रशासन की प्राथमिकता है ताकि देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान एडीएम मुक्त मिश्र, पीडी डीआरडीए अजय सिंह सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

हरिद्वार पुलिस ने दबोचा एक सटोरिया

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पुलिस ने एक आरोपी को सटटे की खाईबाड़ी करते हुए दबोचा है। आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्ची पैन डायरी व नगद 1260 बरामद हुए है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत भुल्लर के निर्देशों पर स्मैक चरस गांजा पीने/बेचने/सट्टा खाई बड़ी/जुआ खेलने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। प्रभारी निरीक्षक गंगनहर द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत अलग-अलग टीमें बनाकर अवैध शराब, स्मैक, चरस गांजा पीने/बेचने/जुआ/सट्टा खाई बाड़ी करने वालो के विरुद्ध अभियान चलाया। परिणाम स्वरुप पुलिस टीम ने 26 फरवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर सट्टे की खाई बाडी करते हुए परवेज पुत्र मेहरबान निवासी रामपुर कोतवाली गंगनहर जनपद हरिद्वार को सट्टे की खाई बाडी करते हुए सुनहरा प्राइमरी स्कूल की दीवार के पीछे से पकडा गया। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली गंगनहर पर 13 जुआ अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

गैंगस्टर एक्ट का 5 हजार का ईनामी गिरफ्तार, पुलिस को दे रहा था चकमा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर के सख्त निर्देशों का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिडकुल पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के फरार और 5 हजार रुपये के ईनामी अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार मु0अ0सं0-01/26 धारा 2(B)(ii)/3, 2(b)(xi) गैंगस्टर अधिनियम में वांछित अभियुक्त संजू पुत्र सुलेखचंद (33 वर्ष) निवासी चौहान मार्केट, रावली महदूद, थाना सिडकुल, लंबे समय से फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद से पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। अभियुक्त बार-बार ठिकाने बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। एसएसपी द्वारा घोषित 5 हजार रुपये के इनाम के बाद मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया और मोबाइल सर्विलांस की मदद से पुलिस टीम ने उसे चीतल डेरी के सामने मैदान, सिडकुल क्षेत्र से धर दबोचा। अभियुक्त पर एनडीपीएस एक्ट, शस्त्र अधिनियम समेत आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना अध्यक्ष नितेश शर्मा, व0उ0नि0 देवेंद्र तोमर सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

जनगणना-2027: अल्मोड़ा में अधिकारियों को मिला व्यावहारिक डिजिटल प्रशिक्षण

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

जनगणना-2027 के सुव्यवस्थित एवं प्रभावी संचालन को लेकर जनपद अल्मोड़ा में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को लैपटॉप के माध्यम से प्रत्यक्ष अभ्यास आधारित प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे जनगणना की समस्त प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से समझ सकें। अभ्यास सत्र में जनगणना के विभिन्न चरणों का चरणबद्ध प्रशिक्षण कराया गया और डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कार्य निष्पादन की बारीकियों से अवगत कराया गया।

विशेष रूप से चार्ज अधिकारियों को मानचित्र निर्माण की प्रक्रिया, क्षेत्र निर्धारण, सूचनाओं के संकलन तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आंकड़ों के सुरक्षित संप्रेषण संबंधी तकनीकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य

उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी आधुनिक तकनीकी प्रणाली के अनुरूप दक्षता हासिल कर सकें और निर्धारित समयावधि में त्रुटिरहित कार्य संपादित कर सकें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र एवं नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा सहित अन्य प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर बल देते हुए इसे जनगणना की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशालय से नामित प्रशिक्षकों राजू बनवारी, निखिल पंत एवं शुभम द्वारा प्रतिभागियों को जनगणना की कार्यप्रणाली, मानचित्र निर्माण, आंकड़ा संकलन एवं तकनीकी संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

रुड़की उप जिला चिकित्सालय में 9 बेड का आधुनिक ट्रॉमा सेंटर तैयार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जनपदवासियों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा जनपद के सभी चिकित्सालयों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किए जाने हेतु प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के प्रयासों से जे एन सिन्हा मेमोरियल उप जिला चिकित्सालय में 20 लाख रुपये की लागत से 9 बेड का अत्याधुनिक आपातकालीन ट्रॉमा सेंटर तैयार किया गया है। यह कार्य कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से संपन्न कराया गया है। ट्रॉमा सेंटर को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों एवं सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे गंभीर रूप से घायल एवं आपातकालीन स्थिति में आने वाले मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में चिकित्सालय का निरीक्षण किए जाने के दौरान आपातकालीन सेवाओं में आवश्यक सुधार की आवश्यकता महसूस की गई थी।

इसके उपरांत त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रॉमा सेंटर की स्थापना सुनिश्चित की गई। वर्तमान में सेंटर में मरीजों का उपचार प्रारंभ कर दिया गया है तथा गंभीर रोगियों को समयबद्ध चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

आज ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ ने ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के प्रयासों से तैयार यह 9 बेड का आधुनिक ट्रॉमा सेंटर क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सालय में आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके मिश्रा ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन सेवाएं सुचारु रूप से प्रारंभ कर दी गई हैं और स्थानीय जनता को इसका सीधा लाभ मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान डॉ. रजत सैनी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक मां पूर्णागिरि मेले 2026 का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

पथ प्रवाह, चंपावत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को टनकपुर में ऐतिहासिक माँ पूर्णागिरि मेले का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेलागाड़ से कोटकेंद्री तक संपर्क मार्ग का निर्माण, कालीगूठ- पूर्णागिरि विभिन्न मेला स्थलों का सौंदर्यकरण, तामली से रूपालीगढ़ होते हुए सीम तक मोटर सड़क मार्ग का निर्माण, मां पूर्णागिरि मेला क्षेत्र में भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण, मंच-लेठी- वमनगांव-तरकुली- आवड़ा-सेम-चूका तक मोटर रोड का सुधारीकरण का कार्य के साथ ही मां पूर्णागिरि के आंतरिक क्षेत्र का विकास एवं विश्राम रोड़ एवं पुलिया निर्माण कार्य किये जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो घोषणाएं आज इस अवसर पर की गई हैं जिला प्रशासन त्वरित रूप से इन घोषणाओं में बिना विलंब के कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र भूमि को देवताओं का धाम बताते हुए कहा कि प्रदेश के कण-कण में दिव्यता समाई हुई है। मुख्यमंत्री ने मां पूर्णागिरि से प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने इस मेले को सालभर संचालित करने का संकल्प लेते हुए कहा कि पूर्णागिरि धाम को स्थायी संरचनाओं से सुसज्जित करने का लक्ष्य तय किया गया है। आगामी वर्षों में यह स्थान और भी भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप लेगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा उत्तराखंड सरकार माँ पूर्णागिरि धाम के विकास के लिए सतत प्रयासरत है और आने वाले समय में इसे एक विशाल आध्यात्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्कृति आस्था एवं प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण चम्पावत को बुनियादी सुविधाओं से सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने जनपद में संचालित विभिन्न विकासपरक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि टनकपुर बस स्टेशन को 240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से इंटर स्टेट बस टर्मिनल के रूप में विकसित किये जाने से परिवहन सुविधाओं में बड़ा सुधार होगा। मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत कुमाऊँ के प्रमुख मंदिरों का सौंदर्यीकरण और उनके रास्तों का चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा में अधिक सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्णागिरि क्षेत्र में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विशेष कार्य किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को निर्बाध कनेक्टिविटी मिल सके। माँ पूर्णागिरि धाम में रोपवे निर्माण कार्य भी जारी है, जिससे यात्रियों को सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा पूर्णागिरि धाम के आसपास स्थित सभी प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को जोड़कर एक विशेष पर्यटन सर्किट विकसित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल माँ पूर्णागिरि धाम की यात्रा को और सुविधाजनक बनाना है, बल्कि पूरे चम्पावत जिले में पर्यटन को नया आयाम देना भी है। पर्यटन सर्किट के निर्माण से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सालभर आकर्षित किया जाएगा, जिससे चम्पावत को धार्मिक और साहसिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना माँ पूर्णागिरि मेले को 12 महीने संचालित करने के लक्ष्य के अनुरूप है और इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण चंपावत को प्रत्येक क्षेत्र में विकसित व अग्रणी बनाने का कार्य किया जा रहा है। कनेक्टिविटी तथा शिक्षा के क्षेत्र में अनेकों कार्य किये जा रहे हैं। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा का एक कैंपस चंपावत में आईटी लैब तथा महिला छात्रावास का निर्माण किया गया है। जिला मुख्यालय में 55 करोड़ की धनराशि से साइंस सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। जिससे आने वाले समय में सभी विद्यार्थियों व नौनिहालों को ज्ञान, विज्ञान व तकनीकी और नवाचार हेतु प्रेरित करने हेतु साइंस सिटी बड़ा माध्यम बनेगी। साथ ही विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोहाघाट में 237 करोड़ की लागत से महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का कार्य प्रगति पर होने के साथ ही 16 करोड़ की लागत से पॉलिटेक्निक कॉलेज का नया भवन बनकर तैयार हो गया है। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओ का विस्तार करने हेतु जिला चिकित्सालय में 20 करोड़ की लागत से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक तैयार किया गया है। 28 करोड़ की धनराशि की लागत से इंटीग्रेटेड नर्सिंग संस्थान के भवन निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ ही अपनी नीतियों और निर्णय के माध्यम से पर्यटन को प्रोत्साहित करने व रोजगार के अवसरों को बढ़ाने हेतु ठोस कार्य किया जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा टनकपुर में 38 वे राष्ट्रीय खेलों की प्रतियोगिताओं से राफ्टिंग को नई पहचान मिली बड़ी संख्या में देश-विदेश से लोग यहां राफ्टिंग के लिए आ रहे है। टनकपुर क्षेत्र श्रद्धा और साहसिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभर रहा है। श्यामलाताल झील के विकास के लिए 5 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस क्षेत्र को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा हमारी सरकार प्रत्येक ओर से जनपद को अग्रणी बनाने का लक्ष्य लेकर निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने मेला समिति को आश्वास्थ करते हुए कहा कि यह मेला हमारी प्राथमिकता है। मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालुओं को आतिथ्य प्रदान करना व अच्छी सुविधा व स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो, यह हमारी कर्तव्य है। ताकि प्रत्येक वर्ष मेले में आने वाले श्रद्धालु अपना अच्छा अनुभव लेकर जाएं और मेले के अच्छे अनुभव लोगों को साझा कर उन्हें भी मेले में आने के लिए प्रेरित करें। पूरा मेला क्षेत्र तथा हमारा शहर स्वच्छ हो आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता हो, जगह-जगह बने शौचालय साफ हो, धर्मशाला की स्थिति अच्छी हो आदि।

सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार की नीतियों तथा निर्णयों से उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में गिना जा रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष, जिला पंचायत चम्पावत आनंद सिंह अधिकारी, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा, विधायक प्रतिनिधि टनकपुर दीपक रजवार, चम्पावत प्रकाश तिवारी, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष किशन तिवारी, उपाध्यक्ष भुवन पांडे, जिला पंचायत सदस्य सरस्वती चंद, नगर पालिका अध्यक्ष टनकपुर विपिन कुमार, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव, सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

तीसरे दिन भी कार्यशाला में दी गई जनगणना के संबंध में जानकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी आर चौहान की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में 2026-27 में की जा रही जनगणना के संबंध में तीसरे दिन भी कार्यशाला का आयोजन किया गया।सहायक भूलेख अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया कि आगामी जनगणना-2027 का प्रथम चरण (मकान सूचिकरण एवं मकानों की गणना) वर्ष 2026 एवं द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) 2027 में किया जाना निर्धारित है।

जनपद हरिद्वार में तीसरे दिन भी समस्त जनगणना संबंधित अधिकारियों, चार्ज जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त चार्ज अधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी आर चौहान की अध्यक्षता में प्रशिक्षण दिया गया। जनपद के समस्त जनगणना संबंधित अधिकारियों, चार्ज जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त चार्ज अधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों को जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय भारत सरकार, उत्तराखण्ड देहरादून के प्रतिनिधि नीरज कुमार, सांख्यिकी अन्वेषक ग्रेड-॥, अमीर आलम, सांख्यिकी अन्वेषक ग्रेड-॥ द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में जनपद के समस्त जनगणना संबंधित अधिकारियों, चार्ज जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त चार्ज अधिकारी को लैपटॉप के माध्यम से जनगणना सम्बन्धित पोर्टल पर कार्य कराया गया तथा पोर्टल पर कार्य करने के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया। जनपद स्तर पर आयोजित उक्त प्रशिक्षण में पी0एल0शाह, नगर आयुक्त कोटद्वार, नगर आयुक्त, रूडकी, श्री उत्तम सिंह, सहायक भूलेख अधिकारी, श्री नीरज कुमार, सांख्यिकी अन्वेषक ग्रेड-॥, अमीर आलम, सांख्यिकी अन्वेषक ग्रेड- ॥ जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं जनपद के सभी जनगणना चार्ज अधिकारी, अतिरिक्त चार्ज अधिकारी व सहायक उपस्थित रहें।

*मुख्यमंत्री ने सीएसआर मद से प्राप्त दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पथ प्रवाह, चंपावत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बहल पेपर मिल द्वारा उपलब्ध कराए गए दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन जनपद की स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने टनकपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरी झंडी दिखाकर दोनों वाहनों को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया। इसमें से एक वाहन चिकित्सा विभाग को सौंपा गया है, जिससे आपातकालीन स्थितियों और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुदूर क्षेत्रों तक आसान हो सकेगी। वहीं, दूसरा वाहन राजकीय इंटर कॉलेज, मंच के लिए आवंटित किया गया है, जो विद्यालय के शैक्षणिक कार्यों और छात्र-छात्राओं की आवश्यकताओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बहल पेपर मिल के इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि विकास कार्यों में कॉरपोरेट जगत की भागीदारी अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को हर व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएसआर मद से प्राप्त ये वाहन निश्चित रूप से स्थानीय स्तर पर सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाएंगे। इस अवसर पर मा सांसद अजय टम्टा, अध्यक्ष, जिला पंचायत चम्पावत आनंद सिंह अधिकारी, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा, मा0 विधायक प्रतिनिधि टनकपुर दीपक रजवार, चम्पावत प्रकाश तिवारी, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष किशन तिवारी, उपाध्यक्ष भुवन पांडे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरस्वती चंद, नगर पालिका अध्यक्ष टनकपुर विपिन कुमार, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेश चौहान सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार जनपद में धनौरी स्थित तिरछे पुल के पास सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार नागल पलूनी निवासी सावन पुत्र राजेश अपनी बाइक से हरिद्वार की ओर जा रहा था। जैसे ही वह धनौरी के तिरछे पुल के पास पहुंचा, तभी किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी बाइक सड़क पर गिरकर गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल युवक को उपचार के लिए रुड़की सिविल अस्पताल भेजा, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से

परिजनों में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com